गंध हवाओं की
बातें फ़िज़ाओं की
तल्ख़ी दवाओं की
ताकत दुआओं की

ISBN : 978-93-87831-55-1

मनीष पारीक

गंध हवाओं में

पेशे से अधिवक्ता हैं।
जयपुर के उपमहापौर रहे हैं।
जयपुर जन्म और कर्मभूमि।
राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.काम., एल.एल.बी. और डी.एल.एल.।
लिखने-पढ़ने, संगीत और लोक सम्पर्क में रुचि।
पहले एक दशक छात्र राजनीति में और बाद के डेढ़ दशक से सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन में सक्रिय।
प्रकाशित काव्य संग्रह 'आधा पन्ना पूरी बात' (2012)।

सम्पर्क :
1833, पारीक सदन, जयलाल मुंशी का रास्ता, जयपुर-302001
मो. : +91-98285 90725
ई-मेल : manishpareekjpr23@gmail.com

₹ 495/-

बोधि जन-संस्करण
आवरण चित्र : कुँअर रवीन्द्र # 094255-22569
ISBN : 978-93-87831-55-1
9 789387 831551

गंध हवाओं में • मनीष पारीक

बोधि

गंध हवाओं में

मनीष पारीक

युवा कवि मनीष पारीक सार्वजनिक जीवन में राजनीति के साथ ही अनेक सामाजिक संस्थाओं में एक दायित्वपूर्ण कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय हैं। राजनीति जैसे अत्यधिक लोकमान्य, लोकलुभावन और जन जुड़ाऊ माध्यम में सक्रिय व्यक्ति का साहित्य सर्जना की ओर प्रवृत्त होना एक सुखद लक्षण है। यह हमें आशान्वित और आश्वस्त करता है कि राजनीति के अनेक दांव-पेंच और आरोह-अवरोह के बीच मानवीय संवेदना का एक रागदीप्त कोना अपनी सहजावस्था में सुरक्षित है, जहाँ से जीवन-मूल्य और मानवीय गरिमा की सुवास फैलती है। 'गंध हवाओं में' इसी सुवास का सु-परिणाम है।

-इन्दुशेखर 'तत्पुरुष'
अध्यक्ष
राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर